जून 2026

बैंकर ग्रामीण विकास संस्थान, लखनऊ

मासिक न्यूज लेटर

18 कुल कार्यक्रम

17 परिसर में आयोजित कार्यक्रम

01 ऑनलाइन कार्यक्रम

मुख्य कार्यक्रम विषय

- सीईआरटी-इन के सहयोग से "साइबर थ्रेट इंटेलिजेंस" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला
- डिजिटल मार्केटिंग – प्रायोगिक प्रशिक्षण
- निवेश एवं कोषागार प्रबंधन
- वरिष्ठ अधिकारियों हेतु परिचालन जोखिम प्रबंधन
- उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के उप क्षेत्रीय प्रबंधकों हेतु नेतृत्व विकास कार्यक्रम
- लैंगिक मुद्दे एवं पीओएसएच (POSH) अधिनियम
- लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजरों हेतु अभिमुखीकरण कार्यक्रम
- आरएफआई में साइबर खतरों की रोकथाम एवं प्रबंधन हेतु उभरती प्रौद्योगिकियाँ
- सा-धन के लिए माइक्रोफाइनेंस एक्सेलेरेटर प्रोग्राम

प्रशिक्षकों को सशक्त बनाना, निदेशक मंडलों को मजबूत करना: ग्रामीण सहकारी बैंकों में सुशासन को आगे बढ़ाना

•बर्ड, लखनऊ ने 29 जून से 03 जुलाई 2026 तक नाबार्ड के प्रशिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए ग्रामीण सहकारी बैंकों (आरसीबी) के शासन पर पाँच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का संचालन बैंकिंग विशेषज्ञ डॉ. आर. भास्करन, सेवानिवृत्त मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड एवं पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आईआईबीएफ़ द्वारा किया गया।

•कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शासन ढाँचे, आरबीआई विनियमों, जोखिम प्रबंधन, ऋण शासन, निवेश, कोषागार संचालन, आस्ति-देयता प्रबंधन तथा अनुपालन पर सत्रों के माध्यम से बोर्ड-स्तरीय शासन क्षमताओं को सुदृढ़ करना था।

•संवादात्मक चर्चाओं, केस स्टडी तथा समूह प्रस्तुतियों ने प्रतिभागियों को व्यावहारिक अंतर्दृष्टि एवं शिक्षण उपकरण प्रदान किए, जिससे वे आरसीबी के निदेशकों एवं वरिष्ठ प्रबंधन के लिए प्रभावी क्षमता-विकास कार्यक्रम तैयार कर सकें।

•समापन सत्र में बर्ड के निदेशक डॉ. निरुपम मेहरोत्रा ने सहकारी बैंकिंग संस्थानों में पारदर्शिता, सूचित निर्णय-निर्माण एवं सतत विकास को बढ़ावा देने में प्रशिक्षित निदेशक मंडलों की भूमिका पर बल दिया।

बर्ड–सीईआरटी इन साइबर थ्रेट इंटेलिजेंस कार्यशाला: ग्रामीण वित्तीय संस्थानों में साइबर लचीलापन सुदृढ़ करना

माह की मुख्य बातें

- बर्ड लखनऊ ने सीईआरटी-इन के सहयोग से “साइबर थ्रेट इंटेलिजेंस” विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की, जिसका उद्देश्य वित्तीय संस्थानों में साइबर सुरक्षा तत्परता के लिए सक्रिय तथा इंटेलिजेंस-आधारित दृष्टिकोण को बढ़ावा देना था।
- इस कार्यशाला में देशभर के 21 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों तथा 20 राज्य सहकारी बैंकों का प्रतिनिधित्व करने वाले 57 अधिकारियों ने भाग लिया, जो साइबर लचीलेपन को मजबूत करने के प्रति क्षेत्र की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- कार्यक्रम में सीईआरटी –इन, सी डैक मोहाली तथा आईआईएम, लखनऊ के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा थ्रेट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म, परिनियोजन तकनीकों, उभरते साइबर खतरों, लाइव प्रदर्शन तथा एलएलएम आधारित प्रौद्योगिकियों पर विशेषज्ञ सत्र योजित किए गए।
- बर्ड लखनऊ के संयुक्त निदेशक डॉ. श्रीराम अप्पुलिंगम ने विकसित होते साइबर खतरे के परिदृश्य तथा बैंकिंग आईटी अवसंरचना की सुरक्षा हेतु मजबूत एवं सक्रिय रक्षा तंत्रों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।
- कार्यशाला का समन्वयन श्री रवि चन्द्र यादव, उप महाप्रबंधक/संकाय सदस्य तथा डॉ. करुणेन्द्र वर्मा, विषय विशेषज्ञ (आईटी), बर्ड लखनऊ द्वारा किया गया। यह नाबार्ड -पर्यवेक्षित संस्थाओं में साइबर सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

शब्दावली

सिंथेटिकडेटा

यह कृत्रिम रूप से उत्पन्न किया गया डेटा होता है, जो वास्तविक दुनिया के डेटा के स्वरूप एवं विशेषताओं की नकल करता है, लेकिन इसमें किसी व्यक्ति की वास्तविक या संवेदनशील जानकारी शामिल नहीं होती। यह संगठनों को डेटा गोपनीयता, सुरक्षा तथा उच्च–गुणवत्ता वाले डेटा की सीमित उपलब्धता से जुड़ी चिंताओं का समाधान करते हुए AI मॉडलों के प्रशिक्षण, डिजिटल प्रणालियों के परीक्षण तथा नवाचारी समाधान विकसित करने में सक्षम बनाता है।

आगामी कार्यक्रमों को देखने हेतु क्यूआर कोड स्कैन करें

श्री करण शर्मा, प्रबंधक, बर्ड द्वारा तैयार